RNI. No.: UPHIN/2006/19219
ISSN: 2349-7513

युगतेवर

वर्ष : 15, अंक - 1, सुलतानपुर, जनवरी-मार्च 2020 : मूल्य: 100 रुपये

मजरूह सुलतानपुरी पर केन्द्रित विशेषांक

'रोक सकता [redacted] हमें ज़िन्दाने बला क्या मजरूह
हम तो आवाज़ हैं दीवार से छन जाते हैं।'

RNI. No.: UPHIN/2006/19219
ISSN: 2349-7513

युगतेवर

सार्थक सृजन का साझा मंच

हिन्दी त्रैमासिक
जनवरी-मार्च, 2020
वर्ष : 15, अंक : 1

संपादक :
कमल नयन पाण्डेय

सलाहकार संपादक :
डॉ. राधेश्याम सिंह/ वीरेन्द्र वत्स

प्रबंध संपादक :
डॉ. धर्मपाल सिंह

सहयोग :
अरविन्द सिंह/ इन्द्रमणि कुमार
राजेश पाण्डेय/ देवेश पाण्डेय

विशेष सहयोग :
हबीब अजमली/ उत्कर्ष सिंह

आवरण :
मुकुल राज

मुद्रण :
अनुज प्रिन्टर्स
98, जे.एन. रोड, लखनऊ, फोनः 0522-2253785

सहयोग राशि :
एक प्रति : 100 रुपये
• इस अंक की प्रति : 200 रुपये
वार्षिक : 350 रुपये
आजीवन : 10,000 रुपये

संपादन और संचालन :
अवैतनिक और अव्यावसायिक

संपर्क :
1587/1, उदय प्रताप कॉलोनी, बढ़ैयावीर,
सिविल लाइन्स-2, सुलतानपुर - 228 001
मो.: 9415046011

• अंक में प्रकाशित विषयवस्तु के प्रति लेखक/ रचनाकार ही उत्तरदायी।
• किसी भी वाद-विवाद का न्यायक्षेत्र सुलतानपुर ही होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सुशीला पाण्डेय द्वारा अनुज प्रिन्टर्स, 98, जे.एन. रोड, लखनऊ से मुद्रित और 1587/1, उदय प्रताप कालोनी, बढ़ैयावीर, सि.ला.-2, सुलतानपुर-228 001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक - कमल नयन पाण्डेय

इस अंक में

संपादकीय	: हमारा समकाल और मजरूह	*कमल नयन पाण्डेय*	3
जीवन	: मेरे चाचा मजरूह सुलतानपुरी	*डॉ. सादिका नवाब सहर*	22
सृजन-परिचय	: परिचय	*अली सरदार जाफ़री*	30
'कुलाह कज का बाँकपन' (समीक्षात्मक निगाहों के निकष पर)			
	: मजरूह सुलतानपुरी	*प्रो. वारिस किरमानी*	35
	: इधर भी देख तमाशा है मेरी कम सोख़नी (मजरूह साहब की याद में)	*प्रो. शमीम हनफ़ी*	48
	: मजरूह मेरी नज़र में	*मोईन अहसन 'जज़्बी'*	63
	: सब की प्यास अपनी प्यास है साक़ी	*शकील सिद्दीक़ी*	70
	: मजरूह सुलतानपुरी की शायरी पर एक नज़र	*डॉ. सादिका नवाब सहर*	81
	: मजरूह सुलतानपुरीः फ़न और शख़्सियत	*देवमणि पाण्डेय*	99
	: समय का दस्तावेज़ है मजरूह की शायरी	*अख़्तर फ़ारूक़ी*	104
	: हम तो आवाज़ हैं, दीवार से छन जाते हैं	*सुभाष राय*	116
	: गँवई आभिजात्यता और मजरूह	*डॉ. राधेश्याम सिंह*	122
	: मजरूहः शायर भी, नग़्मानिगार भी	*उत्कर्ष सिंह*	129
	: कहावतें बन गये हैं मजरूह के शेर	*सलाम बिन रज़ाक़*	133
	: मजरूह सुलतानपुरी की शेरी रहगुज़र	*डॉ. सालेहा रशीद*	136
	: तहज़ीब-ए-ग़ज़ल का शायरः मजरूह सुलतानपुरी	*डॉ. ज़ेबा महमूद*	143
	: तरक़्क़ीपसंद मुसन्निफ़ीन की ग़ज़लिया शायरी का नक़्श औव्वल 'मजरूह'	*डॉ. शाहनवाज़ आलम*	149
	: जितने पढ़े गये उतने ही गाये गये मजरूह	*डॉ. डी.एम. मिश्र*	157
	: मजरूह सुलतानपुरी के सिने गीतों में जीवन के रंग	*देवमणि पाण्डेय*	161
	: खेत-खलिहान से बालीवुड की चकाचौंध तक मजरूह सुलतानपुरी	*डॉ. रामप्यारे प्रजापति*	166
'अपने हमराह' (सिने सांसारिकों की अनुभूतियाँ)			
	: मजरूह साहब का फ़न हमेशा जवान रहा	*जावेद अख़्तर*	171
	: हिन्दी फ़िल्म में मजरूह का ही दौर चलता रहा	*सैफ़ किदवई*	176
	: मैं मजरूह साहब को कभी नहीं भूल सकती	*लता मंगेशकर*	182
	: मजरूह साहब का बहुत बड़ा कान्ट्रीब्यूशन था	*आनंद मिलिंद*	183
	: मजरूह- 'क़दीम शीशे में नयी शराब'	*मो. अब्दुल ग़फ़्फ़ार*	184
'वो जब याद आए- बहुत याद आए' (स्मृतियों के वातायन से)			
	: मजरूह सुलतानपुरीः कुछ यादें-कुछ बातें	*ईसार अहमद*	186
	: मैं अपने उस ख़त के लिए शर्मिन्दा हूँ	*जाहिल सुलतानपुरी*	193
	: कितने सचेत थे मजरूह	*जाहिल सुलतानपुरी*	196
	: जब मजरूह बिफर पड़े	*डा. उर्फ़ी*	197
	: जग में रह जाएंगे प्यारे तेरे बोल	*वीरेन्द्र सिंह वत्स*	198
'गुफ़्तगू के लहजे' (साक्षात्कार)			
	: लाहौर, पाकिस्तान में जनाब मजरूह सुलतानपुरी से हसन रिज़वी द्वारा की गयी बहुआयामी बातचीत के ख़ास अंश		201
	: मजरूह सुलतानपुरी से देवमणि पाण्डेय की बातचीत		214
	: हमारे गीत लोगों को अच्छा इन्सान बनने में मदद दें- मजरूह सुलतानपुरी (मजरूह सुलतानपुरी से एक अज्ञात वार्ताकार द्वारा की गयी बातचीत)		221
'दृष्टि-विहंगम' (कुछ ख़ास निगहबानियाँ)			
	: मजरूह सुलतानपुरीः आलोचकों की दृष्टि में	*डॉ. नज़र इमाम*	226
कविता	: शेर व अदब का एक रोशन चराग़ बुझ गया	*नाज़िम सुलतानपुरी*	245
संचयन	: मजरूह सुलतानपुरी की चुनिन्दा रचनाएँ		247